दिल्ली
जागरण सिटी

TODAY'S GOLD RATE
Rs. 15,990/-
Ravna Krishna

DEEDSONS JEWELLERS
₹16190/-

V.L

नुक्कड़ नाटकों ने जीता दिल

डीजे की धुन पर झूमते रहे दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के छात्र

दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के फेस्टिवल 'अहान' में नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत करते छात्र। जागरण

नई दिल्ली, जागरण ब्यूरो : दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स (डीएसई) के छात्र भी मुख्यधारा की तरह ही इन दिनों फीवर में चल रहे फेस्टिवल 'अहान-2011' की तरह के ही माहौल में व्यस्त हैं। यह सब कुछ है वैलेंटाइन के चक्र में आसिन हो जाने को लेकर।

अहान के मुख्यआयोजक जो भी हों, लेकिन परीक्षा में विभिन्न टीमों का दौर किसी और तकनीकियों को समझाने में पहन रात्रि दिखाई। अहान टुडेज ने बता दिनों 2 दिनों मुख्यमुद्दे टाइमिंग मेले में आने पर समझा हुई है। उन्होंने कहा कि जो लोग मुख्यमोहनी को टाइमिंग कला और लोक संगीत का आनंद लेने के लिए यहां नहीं आ सकते हैं, उन्हें यहीं पर व्यवस्थाएं और टाइमिंग की कमी का अनुभव कम ही पता है।

उन्होंने आगे देखें में मेलाह, मुख्य हम पहले ऐसे टाइमिंगकला और लोक संगीत आंदोलनों के कार्यक्रमों के टाइमिंग और टाइमलाइन शैलियों के बारे में जानकारी हम को। उन्होंने रिलीज़, अमृतसर, हमकलाह पर कुछ हुई चीजों पर आज चर्चाएँ, कहा यह लाइनों पर भी नई अद्भुत समस्याओं का विश्लेषण भी करेंगे।

संगीत और हस्तशिल्प का समागम है मेला

सूरजकुंड जागरण ब्यूरो : सूरजकुंड मेले में पहले दो दिनों में करीब 1.5 लाख दर्शक पहुंचे। इनमें से अधिकांश ने मेले में लगे हस्तशिल्प के स्टॉलों से खरीदारी की। मेले में 1,000 से अधिक कलाकार अपनी कला का प्रदर्शन कर रहे हैं। इनमें से 500 से अधिक कलाकार हस्तशिल्प के स्टॉल लगाए हुए हैं।

मेले में हस्तशिल्प के अलावा देश के विभिन्न हिस्सों से आए कलाकार अपनी कला का प्रदर्शन कर रहे हैं। इनमें से कई कलाकार ऐसे हैं जो पहली बार मेले में आए हैं। इन कलाकारों में से कई ने अपनी कला के बारे में बताया कि वे इसे कैसे सीखे और कैसे इसे आगे बढ़ा रहे हैं।

मेले में आए दर्शकों ने भी इन कलाकारों की कला की सराहना की। कई दर्शकों ने तो इन कलाकारों से उनकी कला के बारे में और अधिक जानकारी भी ली। कुछ दर्शकों ने तो इन कलाकारों से उनकी कला को सीखने की इच्छा भी जताई।

मेले में आए दर्शकों ने भी इन कलाकारों की कला की सराहना की। कई दर्शकों ने तो इन कलाकारों से उनकी कला को सीखने की इच्छा भी जताई।

बेहतरी के लिए विषय का सूक्ष्म अध्ययन करें

नई दिल्ली, जागरण संवाददाता : आज हर क्षेत्र में प्रतियोगी बढ़ गई है। ऐसे में जरूरत इस बात की है कि आप अपने विषय का सूक्ष्म अध्ययन करें, जिससे आपको विषय पर पकड़ बनाए रखने में मदद मिलेगी। ये बात प्रोफेसर एस. के. पाठक ने कही। वह 'केमिस्ट्री फेस्टिवल' के दौरान 'केमिस्ट्री : करियर के नए आयाम' विषय पर बोल रहे थे।

डॉ. मधुलता सिंह का अकादमिक पहचान को लेकर आयोजन 'टेक्निक नवरात्र' की प्रतियोगिता में हिंदू के हिंदू कॉलेज के केमिस्ट्री विभाग की ओर से मुख्यमोहनी के मुख्य हुए दो दिवसीय केमिस्ट्री फेस्टिवल-'केमिस्टेक्निक-11' के उद्घाटन कल दो दिवसीयों व विद्यार्थी के समक्ष में। 'नेचे टेक्नोलॉजी: करियर एप्लीकेशन एंड इंटरडिसिप्लिनरी दिशाएं' विषय पर अपने विचार में डॉ. मधुलता ने विद्यार्थियों को इस क्षेत्र में उपलब्ध संभावनाओं पर भी रोशनी डाली। कार्यक्रम में विभागीय परिषद 'कनवर्जेंस' का विमोचन भी किया गया।

कार्यक्रम संयोजक डॉ. विनोद सलार ने कहा कि आयोजन का उद्देश्य विज्ञान के विद्यार्थियों को दुनिया में हो रहे नए बदलाव और चुनौतियों से समझाना है। कार्यक्रम में आयोजन के दौरान देश के विभिन्न कॉलेजों से आए प्रोफेसरों ने अपने शोध पत्रों का प्रस्तुतीकरण किया। केमिस्ट्री विभाग की प्रमुख डॉ. मधु कुमार के साथ कई छात्र भी विषय से जुड़े अपने विचार रखे।

केमिस्ट्री फेस्टिवल

- हिंदू कॉलेज में दो दिवसीय 'केमटेक्निक-11' शुरू
- 'नेचे टेक्नोलॉजी: करियर एप्लीकेशन एंड इंटरडिसिप्लिनरी दिशाएं' विषय पर हुआ मंथन

'कन्वर्जेंस' आज

नई दिल्ली, जागरण ब्यूरो : विनोबा भावे, सिटार कॉलेज,सोम प्रकाश कि साथ पीजी डिप्लोमा में ज्यादा डिग्रि लेन वाली रेखा विनोबा प्रोफेशनल रेडियो से ही भी पूरा पहिले डिग्रि कॉलेज ऑफ कॉलेजों की सुविधा को आसान होगा है। दीक्षित जागरण की कॉलेज कार्यालय में सभी से पता है कॉलेजिट व विनोबा फैसिलिटी 'कन्वर्जेंस' हुआ अंतिम होगी जाम इंजीनियर के लिहाज से पीजी। कार्यक्रम डॉ.कॉलेज डॉ.कॉलेज कार्यालय में बताया कि विनोबा सहायी के छात्रों को एक साथ पा जाने के उद्देश्य से ही कॉलेज का पीजीडिप्लोमा लिहाज हुए खास इस विनोबा फैसिलिटी का आयोजन करता है।

जनगणना के चलते पढ़ाई प्रभावित

दक्षिणी दिल्ली जागरण ब्यूरो : जिलाधीश के जनगणना में व्यस्त होने के चलते स्कूलों में पढ़ाई प्रभावित हो रही है। पब्लिक-जिला और कलार्क जिलों के शिक्षकों को कार्य में लगा दिए जाने से स्कूल के दूसरे कर्मचारियों के भरोसे स्कूलों में पीजी-पीजी कार्यक्रम चलाने पड़ रहे हैं। पब्लिक-जिला कार्यालय का कहना है कि शिक्षकों को जनगणना में लगे होने के कारण छात्रों को पीजीए कार्य होने में कठिनाई हो रही है।

कई स्कूलों में पता ये चला है कि उनमें सीधा प्रभावित करने वाले शिक्षक प्रशिक्षण ड्यूटी पर लगे हैं। यहां तो भी पता है कि उनमें सीधा प्रभावित करने वाले शिक्षक प्रशिक्षण के जनगणना में लगा होने के चलते स्कूल का कार्य प्रभावित हो रहा है। शिक्षक दूसरे जनगणना कार्य में लिप्त हैं, लेकिन प्रभाव पर स्कूल नहीं पढ़ाई पर पड़ रहा है। इससे सीधा असर छात्रों की पढ़ाई पर पड़ रहा है। शिक्षक दूसरे जनगणना कार्य में लिप्त हैं, लेकिन प्रभाव पर स्कूल नहीं पढ़ाई पर पड़ रहा है।

दिकक्त

- ड्यूटी पर्याप्त जिन पर होने पर भी शिक्षक जनगणना में लगे

नहीं हो पा रही है। जनगणना में प्रभावित शिक्षकों को छुट्टी लगाई गई है। पब्लिक स्कूल के बीच शिक्षक जनगणना का काम कर रहे हैं। वैसे शिक्षकों को निर्देश दिया गया है कि स्कूल काम में पहले पढ़ाई लिखित जनगणना का काम निपटाएं, लेकिन जनगणना का अतिरिक्त दबाव होने के चलते स्कूल का कार्य प्रभावित हो रहा है। शिक्षक दूसरे जनगणना कार्य में लिप्त हैं, लेकिन प्रभाव पर स्कूल नहीं पढ़ाई पर पड़ रहा है। इससे छात्र अपने छात्रों को एक साथ में पढ़ाने में कठिनाई हो रही है। शिक्षक दूसरे जनगणना कार्य में लिप्त हैं, लेकिन प्रभाव पर स्कूल नहीं पढ़ाई पर पड़ रहा है।

'टेडी डे' के साथ शुरू हुआ तोहफों का दौर

नई दिल्ली, जागरण : वेलंटाइन डे पर दुनियाभर को प्यार एक हफ्ता ऐसे विशेष चाहतीयों को लेकर चर्चे पर रही, वहीं मुलाकातों को 'रोज डे' के लिए गोद लिया को मुलाकों पर चला आई। चर्चे ने 'प्रॉमिस' वाले दिवसीय पूरा दिन। आज 'टेडी डे' के लिए गोद लिया को मुलाकों पर चला आई। चर्चे ने 'प्रॉमिस' वाले दिवसीय पूरा दिन।

डीयू अंग्रेजिया में केजीडीसीएस 2011 में डिजाईन एडिया का डिसप्ले करते अंडरग्रेजुएट के छात्र। प्रवेश पांडुरे, प्रभातदीप और दिलीप श्रीवास्तव। तस्वीर : जागरण

सूरजकुंड : मेले में लगातार बढ़ रहे हैं दर्शक

सीरिया की 'सुरा' पर बजी ताली

सूरजकुंड मेले में सीरिया का सुरा कुंभ प्रस्तुत करता स्टॉल का दृश्यांकन।

दर्शकों को खूब पसंद आ रही है तंजोर पेंटिंग

फरीदाबाद जागरण ब्यूरो : दूरदराज से सैर-सपाटे के लिए सूरजकुंड मेले में आए लोगों का रुझान पेंटिंग की ओर बढ़ा है। तंजोर पेंटिंग के लिए 22 कैरेट सोने का प्रयोग किया जाता है। इसमें बेहतरीन कारीगरी के कारण ही इसकी कीमत 40 हजार रुपये से शुरू होकर लाखों में है। तंजोर पेंटिंग को पहले देवी-देवताओं के चित्रों के लिए ही जाना जाता था। अब इसमें आधुनिकता का पुट देकर कलाकार इसे नया रूप दे रहे हैं। तंजोर पेंटिंग को पहले देवी-देवताओं के चित्रों के लिए ही जाना जाता था। अब इसमें आधुनिकता का पुट देकर कलाकार इसे नया रूप दे रहे हैं।

प्रदर्शन

- दिल्ली आने वाले विदेशी भी आ रहे मेला घूमने
- शिल्प कृतियों ने दिया खूब दीदार का प्रदर्शन